

सफलता की कुंजी (निर्बंध)

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

अति लघूतरीय प्रश्न-

1. समय के साथ काम करने वाली दो शक्तियाँ कौन-कौन सी हैं?

Ans:- समय के साथ काम करने वाली दो शक्तियाँ हैं: प्रेरणा और निरंतरता, जो सफलता प्राप्त करने में मदद करती हैं।

2. समय का सुदृप्योग कब किया माना जाता है?

Ans:- समय का सुदृप्योग तब किया माना जाता है, जब हम उसे अपने लक्ष्यों की ओर प्रगति करने, ज्ञान बढ़ाने और व्यक्तिगत विकास में लगाते हैं, न कि व्यर्थी गतिविधियों में।

3. समय का दुरुप्योग कब किया माना जाता है?

Ans:- समय का दुरुप्योग तब किया माना जाता है, जब हम उसे अव्यवस्थित तरीके से, बिना उद्देश्य या अनावश्यक कार्यों में बर्बाद करते हैं, जिससे न तो कोई व्यक्तिगत विकास होता है और न ही लक्ष्यों की प्राप्ति होती है।

लघूतरीय प्रश्न-

1. कोई कृति कब गौरव गरिमा का परिचय दे सकेगी?

Ans:- कोई कृति तभी गौरव और गरिमा का परिचय दे सकती है, जब वह उच्च नैतिक मूल्यों, सत्य, ईमानदारी और समाज के भले के लिए की जाए, और उसका प्रभाव स्थायी हो।

2. किस प्रकार के लोग अपने-अपने क्षेत्रों में बाजी मारते हैं?

Ans:- वे लोग अपने-अपने क्षेत्रों में बाजी मारते हैं, जो निरंतर मेहनत, समर्पण, उद्देश्यपूर्ण कार्य और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करते हैं और अपने लक्ष्य को प्राप्त करते हैं।

3. अच्छी वस्तुओं के निर्माण की क्या पृष्ठभूमि बताई गई है।

Ans:- अच्छी वस्तुओं के निर्माण की पृष्ठभूमि यह है कि यह समर्पण, निरंतर अभ्यास, उच्च गुणवत्ता की मेहनत और उद्देश्यपूर्ण दृष्टिकोण से उत्पन्न होती है, जो उक्तिता की ओर मार्गदर्शन करती है।

4. किस प्रकार की वस्तुओं की माँग अपेक्षाकृत अधिक रहती है?

Ans:- वे वस्तुएँ जिनकी गुणवत्ता उच्च होती हैं, जो उपयोगी, टिकाऊ और समय की आवश्यकताओं के अनुरूप होती हैं, उनकी माँग अपेक्षाकृत अधिक रहती है इनकी विश्वसनीयता और प्रासंगिकता ग्राहकों को आकर्षित करती है।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न-

1. किसी भी क्षेत्र के मूर्धन्य लोग सामान्य से असामान्य स्तर पर किस प्रकार पहुँचते हैं?

Ans:- किसी भी क्षेत्र के मूर्धन्य लोग सामान्य से असामान्य स्तर पर अपने कड़ी मेहनत, समर्पण, निरंतर अभ्यास, आत्मविश्वास और समय के प्रबंधन के द्वारा पहुँचते हैं ऐसे चुनौतियों का सामना करते हुए, उच्च मानकों को स्थापित करते हैं और अपने क्षेत्र में विशिष्टता प्राप्त करते हैं।

2. 'आधे-अधूरे, काने कुबड़े' कार्यों से क्या अभिप्राय है? ये इस स्थिति को क्योंकर प्राप्त होते हैं।

Ans:- 'आधे-अधूरे, काने कुबड़े' कार्यों से अभिप्राय है ऐसे कार्य जो अधूरे, अपूर्ण या गलत तरीके से किए जाते हैं ऐसे कार्य किसी उद्देश्य, गुणवत्ता या प्रयास के अभाव में उत्पन्न होते हैं ऐसे स्थिति तब प्राप्त होती है जब व्यक्ति आलस्य, लापरवाही या असावधानी से काम करता है, बिना पूरी मेहनत या समर्पण के ऐसे कार्यों का परिणाम अक्सर असफलता और संतोष की कमी होता है।

3. किस प्रकार से किए गए कार्य अपनी सुधङ्गता का परिचय देते हैं?

Ans:- सुधङ्गता का परिचय वे कार्य देते हैं जो ध्यानपूर्वक, योजनाबद्ध तरीके से, पूरी मेहनत और उत्कृष्टता के साथ किए जाते हैं इन कार्यों में स्पष्टता, संतुलन और समर्पण दिखाई देता है।

4. समय के सदुपयोग को अपनाने के क्या लाभ होते हैं?

Ans:- समय के सदुपयोग से व्यक्ति अपने लक्ष्यों को जल्दी और प्रभावी तरीके से प्राप्त करता है, मानसिक शांति गिलती है, आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में संतुलन और सफलता सुनिश्चित होती है।

5. 'जिस काम के साथ कोई महत्वपूर्ण उद्देश्य न जुड़ा हो, वह रुचिकर नहीं हो सकता' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Ans:- "जिस काम के साथ कोई महत्वपूर्ण उद्देश्य न जुड़ा हो, वह रुचिकर नहीं हो सकता" का अर्थ है कि जब कार्य का कोई स्पष्ट लक्ष्य या उद्देश्य नहीं होता, तो उसे पूरा करना उबाऊ लगता है उदाहरण स्वरूप, बिना किसी उद्देश्य के खेल खेलना या बिना लक्ष्य के पढ़ाई करना अक्सर मन को आकर्षित नहीं करता। लेकिन जब उस कार्य से किसी महत्वपूर्ण लक्ष्य जैसे सफलता, सम्मान या आत्मसंतोष का जुड़ाव होता है, तो वह कार्य रुचिकर और प्रेरणादायक बन जाता है।